

सकता या तो हवा में उड़ता रहता है या किसी पेड़ की डाल में चिपटा रहता है, दिन के प्रकाश में यह बाहर नहीं निकलता, किसी अंधेरे स्थान में पैर ऊपर और सिर नीचे करके औंधा लटका रहता है, इनके झुंड के झुंड पुराने खंडहरों में लटके हुए पाए जाते हैं, यह हवा में ऊपर तक उड़ता है पर इसमें चिड़ियों के लक्षण नहीं हैं, इसकी बनावट चूहे जैसी होती है, इसके कान होते हैं और अंडा नहीं होता, बच्चा होता है, यह प्रायः कीड़े-मकोड़े और फल खाता है।

चमचम स्त्री. (देश.) एक प्रकार की बंगला मिठाई जो दूध फाड़कर उसके छेने से बनाई जाती है।

चमचमाना अ.क्रि. (देश.) चमकना, प्रकाशमान होना, दीप्तिमान होना, झलकना, चमकाना, झलकाना, दमक लाना।

चमचा पुं. (देश.) 1. डाँडी लगी हुई एक प्रकार की छोटी कटोरी या पात्र जिससे दूध, चाय आदि उठाकर पीते हैं, चम्मच 2. चिमटा 3. नाव में डाँड का चौड़ा अग्र भाग 4. कोयला निकालने का एक प्रकार का फावड़ा।

चमची स्त्री. (देश.) 1. छोटा चम्मच 2. आचमनी 3. छोटा चिमटा 4. चूना या कत्था निकालने और पान पर फैलाने की चिपटे और चौड़े मुँह की सलाई।

चमड़ा पुं. (तद्.) 1. प्राणियों के सारे शरीर का वह ऊपरी आवरण जिसके कारण माँस, नसें आदि दिखाई नहीं देती, चर्म, त्वचा, जिल्द मुहा. चमड़ा उधेड़ना या खींचना- चमड़े को शरीर से अलग करना, बहुत मार मारना 2. छाल, छिलका।

चमड़ी स्त्री. (देश.) चर्म, त्वचा, खाल।

चमत्कार पुं. (तत्.) 1. आश्चर्य, विस्मय 2. आश्चर्य का विषय, अद्भूत व्यापार, विचित्र घटना, असाधारण एवं अलौकिक बात, करामात 3. अनूठापन, विचित्रता, विलक्षणता प्रयो. उनकी कविता में कोई चमत्कार नहीं है 4. डमरू 5. अपामार्ग, चिचड़ा।

चमत्कारक वि. (तत्.) चमत्कार उत्पन्न करने वाला, विलक्षण, अनूठा।

चमत्कारवाद पुं. (तत्.) साहित्य में वह मत जो बाह्य सौंदर्य अर्थात् अंलकारादि को कविता के लिए आवश्यक मानता है, काव्य में चमत्कार का समर्थन करने वाला वाद या सिद्धांत।

चमत्कारिक वि. (तत्.) 1. चमत्कार संबंधी 2. चमत्कार पैदा कर देने वाला 3. विचित्र प्रतीत होने वाला।

चमत्कारित वि. (तत्.) चमत्कृत, विस्मृत।

चमत्कृत वि. (तत्.) विस्मित, आश्चर्यित।

चमन पुं. (फा.) 1. हरी क्यारी 2. फुलवारी, घर के अंदर का छोटा बगीचा 3. गुलजार बस्ती, रौनकदार शहर।

चमर पुं. (तत्.) 1. सुरागाय 2. सुरागाय की पूँछ से बना चँवर, चामर 3. एक दैत्य का नाम 4. चमार से संबंधित, तुच्छ, हीन।

चमरक पुं. (तत्.) मधुमक्खी।

चमरख स्त्री. (देश.) दुबली, पतली।

चमर टोला पुं. (देश.) चमारों का मुहल्ला या निवास।

चमर टोली स्त्री. (देश.) 1. चमारों की बस्ती 2. चमारों का झुंड।

चमर पुच्छ पुं. (तत्.) 1. चँवर 2. लोमड़ी 3. गिलहरी।

चमर बैल पुं. (देश.) याक नाम का एक पहाड़ी बैल जिसके कंधो पर बड़े-बड़े बाल होते हैं प्रयो. चमर बैल धीरे-धीरे सभी चारा खत्म कर गए।

चमरशिखा स्त्री. (तत्.) घोड़ों की कलंगी।

चमरस पुं. (देश.) वह घाव जो चमड़े या जूते की रगड़ से पैर में हो जाए।

चमरावत स्त्री. (देश.) चमड़े के मोट आदि बनाने की मजदूरी जो जमींदार या काश्तकार की ओर से चमारों को मिलती है।

चमरी स्त्री. (तत्.) 1. सुरागाय 2. चँवरी 3. मंजरी।